AI के प्रभाव स्वरूप भाषा और साहित्य में बदलाव

डॉ. ज्योति यादव, सहायक आचार्य, हिंदी, राजकीय महाविद्यालय,रावतसर

AI के आगमन ने भाषा और साहित्य के नए दवार खोल दिए हैं जिससे साहित्य में भी काफी बदलाव आया है |जो साहित्य हमारी विरासत था उसे AI की मदद से संरक्षित किया जाने लगा|नए साहित्यिक रूप के विकसित होने से कविता और कहा नियो के साहित्यिक विश्लेषण मे सुधार हुआ|AI के प्रभाव से नए शब्द और वाक्य बनाने मे मदद मिली जिससे भाषा की समृधि बढी है| भाषा अनुवाद में सुधार होने से वैश्विक स्तर पर संचार में भी सुधार हुआ है|

AI के उपयोग से जहां एक ओर भाषा और साहित्य में बदलाव व समृधि की संभावनाए बढी हैं वही AI के प्रभाव से साहित्यिक चोरी और भाषा का दुरुपयोग जैसी नैतिक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है|